INTERNATIONAL CONFERENCE ON
"ENVIRONMENT, AGRICULTURE & HUMAN WELFARE: AN OVERVIEW OF SUSTAINABLE GOALS OF FUTURE"
26TH November, 2023

# महिलाओं को सशक्त बनाने में शिक्षा की भूमिका

चन्दन सिंह, शोध छात्र, ग्लोकल विश्वविद्यालय, सहारनपुर (उ. प्र.)

## सारांश

शिक्षा महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और व्यक्तिगत सशक्तिकरण का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। शिक्षा महिलाओं को ज्ञान, कौशल, आत्मविश्वास और निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें अपने अधिकारों और अवसरों के प्रति जागरूक बनाती है। प्रस्तुत शोध-पत्र में महिलाओं को सशक्त बनाने में शिक्षा की भूमिका का विश्लेषण किया गया है। अध्ययन में यह समझने का प्रयास किया गया है कि गुणवत्तापूर्ण और समान शिक्षा महिलाओं की सामाजिक स्थिति, आर्थिक आत्मनिर्भरता, रोजगार के अवसर, स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता तथा परिवार और समाज में उनकी भागीदारी को किस प्रकार प्रभावित करती है। शिक्षा महिलाओं को लैंगिक भेदभाव, बाल विवाह, घरेलू हिंसा, सामाजिक रूढ़ियों और अन्य असमानताओं के विरुद्ध आवाज उठाने में सक्षम बनाती है। इसके अतिरिक्त, व्यावसायिक एवं तकनीकी शिक्षा महिलाओं के कौशल विकास और उद्यमिता को बढ़ावा देकर उन्हें आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देती है। डिजिटल शिक्षा और सूचना प्रौद्योगिकी के विस्तार ने महिलाओं के लिए सीखने, रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर भी उपलब्ध कराए हैं। हालांकि, ग्रामीण क्षेत्रों में शैक्षिक संसाधनों की कमी, आर्थिक बाधाएँ, डिजिटल विभाजन, सामाजिक रूढ़ियाँ और लैंगिक असमानता अभी भी महिला शिक्षा के मार्ग में प्रमुख चुनौतियाँ हैं। अध्ययन निष्कर्षतः दर्शाता है कि महिलाओं के लिए समावेशी, सुलभ, गुणवत्तापूर्ण और कौशल-आधारित शिक्षा सुनिश्चित करना सतत सामाजिक विकास और लैंगिक समानता की दिशा में एक प्रभावी कदम है।

**मुख्य शब्द: महिला सशक्तिकरण, महिला शिक्षा, लैंगिक समानता, सामाजिक विकास, आर्थिक आत्मनिर्भरता, कौशल विकास, डिजिटल शिक्षा, महिला उद्यमिता, शिक्षा और समाज, समावेशी शिक्षा।**